उदयपुर-अहमदाबाद हाईवे पर निजी बस में आग लगी, यात्रियों ने कूदकर जान बचाई

बस में करीब 40 यात्री सवार थे, हादसे के दौरान इमरजेंसी गेट से कूदे यात्री

- उदयपुर शहर में बीते पांच दिन में बस में आग लगने की यह दूसरी घटना बताई जा रही है
- पुनिस द्वारा आग के कारणों की जांच की जा रही है, प्रथमदृष्ट्या आग शॉर्ट सर्किट से होना बताया जा रहा है

उदयपुर, (कासं)। उदयपुर-अहमदाबाद राष्ट्रीय राजमार्ग 78 पर परसाद के समीप सोमवार दोपहर एक चलती बस में आग लग गई और कुछ ही मिनटों में बस आग का गोला बन गई। गनीमत रही कि समय रहते बस में सवार सभी यात्रियों को सुरक्षित उतार लिया गया।

जानकारी के अनुसार उदयपुर शहर से एक निजी ट्रैवल्स की बस अहमदाबाद के लिए रवाना हुई। शहर के करीब 50 किमी दूरी पर स्थित परसाद थाना के करीब बस में अचानक आग लग गई। आग भयावह रूप लेती इससे पहले चालक व यात्रियों ने स्थिति को भांपते हुए तुरंत बस से बाहर निकल गए। कई यात्रियों ने इस दौरान इमरजेंसी गेट का उपयोग किया और कूदकर बाहर आ गये। कुछ ही मिनट में आग ने विकराल रूप ले लिया और तेज उठती आग की लपटों के साथ बस पूरी तरह जलकर खाक हो गई।

इस दौरान मौके पर लोगों की भीड़ जमा हो गई। यात्रियों ने बाहर निकलने के बाद लगी आग को देखते हुए जान बचने पर राहत की सांस ली। सूचना पर परसाद थाना पुलिस और फायर बिग्रेड मौके पर पहुंची। बस में लगी आग के चलते हाईवे पर कुछ देर यातायात बाधित रहा। फायर ब्रिगेड ने बस में लगी आग पर काबू पाया, इसके बाद आग को मौके से हटाकर पुलिस ने यातायात सुचारू किया। पुलिस ने बताया कि बस में लगी आग के कारणों की जांच की जा रही है। प्रथमदृष्ट्या आग शॉर्ट सर्किट से होना बताया जा रहा है।

गौरतलब है कि उदयपुर शहर में बीते पांच दिनों में निजी ट्रैवेल्स की बस में आग लगने की यह दूसरी घटना है। इससे पहले बलीचा समीप भी एक निजी ट्रैवेल्स की बस में आग लग गई थी। हालांकि बस में सवार 38 यात्रियों को बाहर निकाल लिया गया था।

बस में आग लगने के बाद मौके पर लोगों की भीड़ जमा हो गई।

राजसमंद के भीम में निजी बस पलटी, 10 यात्री घायल

भीम, (निसं)। अहमदाबाद से जयपुर जा रही निजी ट्रैवल्स बस सोमवार सुबह करीब छह बजे राजसमंद के भीम पुलिस थाना अंतर्गत राष्ट्रीय राजमार्ग पर सदारण कुकरखेड़ा के समीप अनियंत्रित होकर पलट गई। हादसे में करीब 10 यात्री घायल हो गए। घटना की सूचना पर भीम पुलिस मौके पर पहुंची तथा घायलों को ग्रामीणों की सहायता से एंबुलेंस द्वारा भीम उप जिला चिकित्सालय पहुंचाया गया। जहां चिकित्सकों ने प्राथमिक उपचार कर गंभीर घायलों को रेफर किया गया। पुलिस ने सड़क दुर्घटना में क्षतिग्रस्त बस को सड़क किनारे करवाया तथा यातायात सुचारू करवाया।

जानकारी के अनुसार सोमवार अलसुबह अहमदाबाद से जयपुर की ओर जा रही एक निजी ट्रैवल्स बस राष्ट्रीय राजमार्ग पर सदारण कुकरखेड़ा के समीप नियंत्रित होकर पलट गई। बस में सवार कुम्हार नाडा भीम निवासी नरेंद्र कुमार पिता पोखरमल, सिद्धार्थ नगर यूपी निवासी रहमत अली पिता हजरत अली, झालावाड़ निवासी अक्षय शर्मा पिता अमित शर्मा, जयपुर निवासी अर्पित शर्मा पिता गोविंद शर्मा तथा उसकी पत्नी शीतल शर्मा, महेंद्र यादव पिता कमलेश कुमार, सिम्मी पुत्री महेश कुमार, हनीफ अब्दुल पिता हातिफ मोहम्मद, अंकुर पिता रमेश यादव, नितिन पिता संजय कुमार, दीपेंद्र शर्मा आदि यात्री घायल हो गये। घायल यात्रियों का भीम उप जिला चिकित्सालय में चिकित्सकों द्वारा प्राथमिक उपचार किया गया तथा गंभीर घायल नरेंद्र कुमार पिता पोखरमल एवं रहमत अली पिता हजरतअली को गंभीर अवस्था में रेफर किया गया।

कोटा : अकाउंट अधिकारी के घर में लाखों की चोरी

कोटा, (निसं)। भीमगंजमंडी थाना इलाके के स्टेशन रोड की पॉश कॉलोनी मोहन निवास में राजस्थान अकाउंट सर्विसेज की अधिकारी के घर पर लाखों रुपए की चोरी का मामला सामने आया है। मामले में सामने आया कि चोरी के दौरान आवाज होने से मकान मालिक के जगने पर चोरों ने मकान मालिक पर हमला भी कर दिया। मकान में चोरी की सूचना मिलने पर पुलिस टीम मौके पर पहुंची, पीड़ित ने भीमगंजमंडी थाने में मुकदमा दर्ज करवाया है। जानकारी के अनुसार यह चोरी राजस्थान अकाउंट सर्विसेज की अधिकारी पूनम मेहता के घर पर हुई है, वे घटना के समय अपने पति राजीव चौरड़िया के साथ थी, मामले में सामने आया कि चोर कैमरा, लैपटॉप सहित अन्य सामान चोरी करके ले गये।

पुलिस उप अधीक्षक डॉ.पूनम चौहान ने बताया कि मोहन निवास में राजस्थान अकाउंट सर्विसेज की अधिकारी पूनम मेहता के घर में चोरी का मामला सामने आया है। घर में पूनम मेहता व उनके पति राजीव मौजूद थे। पुलिस उप अधीक्षक ने बताया कि सूचना मिलने पर पुलिस टीम मौके पर पहुंची। पुलिस उप अधीक्षक ने बताया कि अज्ञात चोर 2.5 लाख का कैमरा और 40 हजार रूपए का लैपटॉप चुरा कर ले जाने का मामला सामने आया है, मौके पर सीसीटीवी फुटैज भी खंगाले गये, जिसमें चार चोर खिड़की ग्रिल तोड़कर अंदर प्रवेश करते हुए नजर आ रहे हैं।, चार चोरों में से कुछ ने कच्छा बनियान पहने हुए थे और अपने चेहरे को ढंका हुआ था, जिससे फिलहाल यह स्पष्ट नहीं है कि यह कच्छा बनियान गैंग है या किसी ने इस गैंग की कॉपी की है। मौके से साक्ष्य भी लिए हैं।

डूंगरपुर में छोटे भाई की पत्नी की लोहे की रॉड से हत्या

- पति के घर से बाहर जाते ही वारदात को अंजाम दिया, आरोपी जेठ हिरासत में

डूंगरपुर, (निसं)। ओबरी थाना क्षेत्र के राजपुर गांव में एक बड़े भाई ने अपने छोटे भाई की पत्नी की लोहे की रॉड से हमला कर हत्या कर दी। वारदात सोमवार सुबह उस समय हुई, जब महिला का पति काम से बाहर गया हुआ था। आरोपी ने कमरे में घुसकर महिला के सिर पर हमला किया, जिससे उसकी मौके पर ही मौत हो गई। घटना के बाद पुलिस ने आरोपी को हिरासत में लेकर हत्या के कारणों की जांच शुरू कर दी है।

ओबरी थानाधिकारी ने बताया कि राजपुर गांव निवासी शांतिलाल भगोरा पिछले करीब 20 सालों से बाहर मजदूरी करता था। वह पिछले पांच महीने से गांव में ही रह रहा था। उसका छोटा भाई जीवतराम एक फाईनेंस कंपनी में काम करता है। सोमवार सुबह जीवतराम काम के सिलसिले में बांसवाड़ा जिले के कुशलगढ़ चला गया था। उसके घर से निकलते ही बड़ा भाई शांतिलाल छोटे भाई के कमरे में पहुंच गया। वहां उसने जीवतराम की पत्नी प्रमिला पर लोहे की रॉड से हमला कर दिया। बताया जा रहा है कि आरोपी ने प्रमिला के सिर पर लगातार वार किए। महिला की चीख-पुकार सुनकर घर के अन्य सदस्य मौके पर पहुंचे, लेकिन तब तक काफी देर हो चुकी थी। गंभीर चोंट लगने से प्रमिला की घटना स्थल पर ही मौत हो गई।

सूचना मिलते ही ओबरी थाना पुलिस मौके पर पहुंची और घटनास्थल का जायजा लिया। मामले की गंभीरता को देखते हुए एफएसएल फोरेंसिक साइंस लेबोरेटरी, टीम को भी बुलाया गया। टीम ने मौके से जरूरी साक्ष्य जुटाए और हत्या में इस्तेमाल लोहे की रॉड समेत अन्य सबूतों की जांच की। घटना की जानकारी मिलते ही मृतका प्रमिला का पीहर पक्ष भी राजपुर गांव पहुंच गया।

परिजनों ने घटना को लेकर नाराजगी जताई और मौके पर हंगामा किया। करीब कई घंटों तक समझाइश के बाद पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर सागवाडा अस्पताल की मोर्चरी में रखवाया। पोस्टमार्टम की प्रक्रिया पूरी होने के बाद शव परिजनों को सौंप दिया गया। हत्या के कारणों का अभी खुलासा नहीं हुआ है।

पुलिस ने आरोपी जेठ शांतिलाल को हिरासत में ले लिया है। पुलिस हत्या के पीछे पारिवारिक विवाद या अन्य कारणों की जांच कर रही है। फिलहाल ओबरी थाना पुलिस ने हत्या का मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।

जोधपुर : धुंधाड़ा पुलिस चौकी परिसर से बजरी से भरा डंपर चुरा ले गया तस्कर

- बजरी खाली कर डंपर को चौकी में खड़ा करके चला गया

जोधपुर, (कासं)। शहर में बेखौफ बजरी माफिया पुलिस चौकी परिसर में खड़े डंपर को चुरा ले गया। बजरी को किसी दूसरी जगह खाली करके आया और फिर वापस डंपर चौकी में खड़ा करके चला गया। मामला लूणी थाने की धुंधाड़ा चौकी का है। घटना के बाद चौकी के एएसआई उमेश चंद्र की ओर से चोरी का मामला दर्ज कराया गया है। सूत्रों की मानें तो इस घटना में चौकी के ही किसी स्टाफ की मिलीभगत की जांच की जा रही है।

एएसआई उमेश चंद्र ने रिपोर्ट देकर बताया कि गत सात मई की रात एएसआई मुकेश कुमार, कांस्टेबल विकास कुमार व ड्राइवर भरत कुमार रात्रि गश्त पर थे। आठ मई के तड़के पुलिस टीम ने ओवरलोड और दस्तावेजों के अभाव में बजरी से भरे तीन डंपरों को जब्त किया था। तीनों डंपरों को धुंधाड़ा चौकी परिसर में सुरक्षित खड़ा करवाया गया था। इनमें से एक डंपर को खेड़ापा थाना क्षेत्र के बारा खुर्द निवासी मुकेश जाट पुत्र धुड़ाराम जाट के कब्जे से जब्त किया गया था। इसके बाद 9 और 10 मई की दरम्यानी रात को एएसआई उमेश चंद्र गश्त पर थे। इस दौरान धुंधाड़ा में एक पेट्रोल पंप के सामने अवैध खनन कर रही जेसीबी को जब्त किया। उसका ड्राइवर मौके से फरार हो गया। इस संबंध में लूणी थाने में अलग से मामला दर्ज किया गया। इसके बाद एएसआई वापस गश्त करते हुए धुंधाड़ा चौकी पहुंचे। उन्हें मुकेश जाट से जब्त किया बजरी का डंपर खाली नजर आया।

जांच में सामने आया कि किसी अज्ञात व्यक्ति ने पुलिस चौकी परिसर में खड़े डंपर को रात के समय चौकी से निकाला। डंपर को किसी अन्य स्थान पर ले गया। उसमें भरी पूरी बजरी खाली की। फिर खाली डंपर को वापस चौकी परिसर में लाकर खड़ा कर दिया। पुलिस ने इस वारदात को लेकर अज्ञात आरोपियों के खिलाफ चोरी की धाराओं में मामला दर्ज कर लिया है। मामले की जांच एएसआई लिखमाराम को सौंपी गई है। पुलिस अब चोरी की गई बजरी बरामद करने और आरोपियों की तलाश में जुट गई है।

संदिग्ध अवस्था में बांग्लादेशी महिला को पकड़ा

- पुलिस और जांच एजेंसियां महिला के कॉल रिकॉर्ड्स से जांच में जुटी

बीकानेर, (निसं)। बीछवाल थाना पुलिस द्वारा श्रीगंगानगर रोड पर संदिग्ध घूमती पकड़ी गई बांग्लादेशी महिला से सुरक्षा व खुफिया एजेंसियों ने संयुक्त पूछताछ शुरू कर दी है। थानाधिकारी गौरव सारस्वत ने बताया कि महिला मजदूरी के बहाने यहां आई थी और उसके पास बांग्लादेशी दस्तावेज मिले हैं। चूंकि बीकानेर सीमावर्ती जिला है, इसलिए एजेंसियां घुसपैठ के रास्ते और स्थानीय मददगारों की तफ्तीश कर रही हैं। पूर्व में भी बॉर्डर बेल्ट के ईंट-भट्टों व कृषि फार्मों पर ऐसे मामले सामने आ चुके हैं, जहां घुसपैठिये दलालों के जरिए फर्जी आईडी बनवाकर और नाम बदलकर मजदूरी करते हैं। फिलहाल बीछवाल पुलिस और जांच एजेंसियां महिला के कॉल रिकॉर्ड्स से इसी आशंका के तहत काम कर रही हैं कि इस महिला को भी किसी बड़े दलाल या स्थानीय ठेकेदार द्वारा फर्जी दस्तावेजों के सहारे बीकानेर में काम दिलाने के बहाने तो नहीं भेजा गया था। यदि है तो पीछे कौन लोग हैं।

डॉ. खेमचन्द सोनी होंगे सम्मानित

जयपुर/ चूरू। हिन्दी साहित्य संसद चूरू द्वारा वर्ष 2026 के प्रतिष्ठित साथी सम्मान से रतननगर के लेखक और

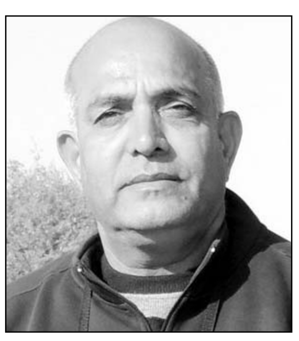

डॉ. खेमचन्द सोनी

इतिहासकार डॉक्टर खेमचन्द सोनी को सम्मानित किया जायेगा।

हिन्दी साहित्य संसद के अध्यक्ष और जाने माने साहित्यकार बनवारी ख़ामोश ने बताया कि साथी परिवार के सौजन्य से प्रति वर्ष 22 मई को स्थानीय साहित्यकार, शिक्षक, समाजसेवी और संस्था के पूर्व महामंत्री स्व. रामावतार साथी की स्मृति में साहित्यकार सम्मान समारोह एवं काव्य गोष्ठी का आयोजन किया जाता है, जिसमें योग्य शख्सियत को साथी सम्मान प्रदान किया जाता है। इसी क्रम में संस्था द्वारा वर्ष 2026 के लिए यह सम्मान रतननगर के डॉक्टर खेमचन्द सोनी को प्रदान किये जाने का निर्णय लिया गया है।

कोटा में सिजेरियन के बाद किडनी फेल्योर, एक और प्रसूता की मौत

मेडिकल कॉलेज के प्राचार्य डॉ. नीलेश जैन ने महिला की मौत की पुष्टि की

- महिला को जेके लोन अस्पताल में 9 मई को हुई सिजेरियन डिलीवरी के बाद मेडिकल कॉलेज के लिए अस्पताल में शिफ्ट किया था
- मृत पिंकी के नवजात के साथ कांग्रेस जिला अध्यक्ष ने मांगों को लेकर परिजनों के साथ धरना शुरू किया

कोटा, (निसं)। मेडिकल कॉलेज के अस्पताल में एक और किडनी फेल्योर के लक्षण से पीड़ित प्रसूता की मौत हो गई है। यह मौत रविवार मध्य रात के बाद हुई है, जिसके बाद उसके शव को पोस्टमार्टम के लिए शिफ्ट किया गया। मेडिकल कॉलेज के प्राचार्य डॉ. नीलेश जैन ने महिला की मौत की पुष्टि की है। महिला को जेके लोन अस्पताल में 9 मई को हुई सिजेरियन डिलीवरी के बाद मेडिकल कॉलेज के लिए अस्पताल में शिफ्ट किया था, उसमें भी किडनी फेल्योर के लक्षण नजर आए थे। हालांकि प्रबंधन ने शुरुआत में इसे किडनी फेल्योर के लक्षण का नहीं माना था। वहीं मृत पिंकी के नवजात के साथ कांग्रेस जिला अध्यक्ष राखी गौतम ने परिजनों के साथ धरना शुरू किया।

मेडिकल कॉलेज प्राचार्य डॉ. जैन के अनुसार डीसीएम श्री राम नगर निवासी पिंकी महावर को जेके लोन अस्पताल में भर्ती करवाया था जिसे रविवार को ही सुपर स्पेशियलिटी अस्पताल में शिफ्ट किया था, जहां पर उसकी मौत हुई है। मौत के कारणों पर एक बार फिर जांच की बात उन्होंने कही है। इस प्रसूता की मौत से पहले मेडिकल कॉलेज के अस्पतालों में कई महिलाओं की मौत हो चुकी है। इसमें प्रिया महावर की मौत को प्रबंधन ने कार्डियक अरेस्ट बताया था, जबकि दो महिलाएं पायल और ज्योति की मौत किडनी फेल्योर के लक्षण के बाद हुई है। वहीं एक महिला पिंकी की भी मौत हो चुकी है। अभी अस्पताल में इस मामले में पीड़ित पांच प्रसूता एडमिट हैं जिनमें धन्नी, रागिनी, आरती, सुशील और चंद्रकला शामिल हैं। इनमें आरती को जेके लोन अस्पताल से शिफ्ट किया है। पिंकी महावर की मौत के बाद कांग्रेस जिला अध्यक्ष राखी गौतम के नेतृत्व में सुपर स्पेशियलिटी अस्पताल के बाहर धरना प्रदर्शन परिजनों ने शुरू कर दिया गया। मृतक के परिजनों को 50 लाख रुपए मुआवजा देने की मांग की गई है। दूसरी तरफ मृतका के परिजनों ने पोस्टमार्टम करने से इनकार कर दिया। मृतका के पति चंद्र प्रकाश का कहना है कि जेके लोन में 8 मई को डिलीवरी हुई थी जिसके बाद उसकी पत्नी पिंकी के यूरिन पास होना बंद हो गया था। इसके बाद दूसरे दिन दोबारा जेके लोन में ऑपरेशन किया गया। उसके शरीर में ब्लड जम गया था जिसे साफ किया गया था। बाद में यहां पर सुपर स्पेशियलिटी अस्पताल रविवार को शिफ्ट कर दिया गया जहां पर उसने दम तोड़ दिया है। हमारा सब कुछ बर्बाद हो गया है।

कुमार अजय को मिला सुरजाराम जालीवाला राजस्थानी सृजन सम्मान

चूरू। सृजन सेवा संस्थान, श्रीगंगानगर की ओर से राजस्थानी किताबों के युवा चर्चित कवि-लेखक कुमार अजय को सुरजाराम जालीवाला राजस्थानी सृजन सम्मान प्रदान किया गया है। रविवार को श्रीगंगानगर मुख्यालय पर नोजगे ऑडिटोरियम में सृजन सेवा संस्थान की ओर से 'कबीर: तब और अब' विषय पर आयोजित व्याख्यान कार्यक्रम में यह सम्मान प्रदान किया गया। प्रख्यात विचारक, आलोचक और कथाकार प्रो पुरुषोत्तम अग्रवाल सहित अतिथियों ने कुमार अजय को यह सम्मान प्रदान किया।

गौरतलब है कि 'रिंकी टेलर' और 'संजीवणी' जैसी चर्चित राजस्थानी किताबों के रचयिता युवा लेखक कुमार अजय को उनके राजस्थानी सृजन के लिए यह सम्मान दिया गया है। चूरू जिले के गांव घांघू में 24 जुलाई 1982 को जन्मे कुमार अजय राजस्थानी और हिंदी के चर्चित लेखक है।

राजस्थानी में उनके कविता संग्रह 'संजीवणी', 'ऊभौ हूं अजै', 'रिंकी टेलर' काफी चर्चित रहे हैं, वहीं हिंदी में कविता संग्रह 'कहना ही है तो कहो' एवं डायरी पुस्तक 'मैं चाहूं तो मुस्करा सकता हूं' और 'आत्माओं में घुले दुख' आदि पुस्तकें प्रकाशित हो चुकी हैं। इसके अलावा संपादन और अनुवाद के क्षेत्र में भी उन्होंने उल्लेखनीय कार्य किया है। इससे पूर्व कुमार अजय साहित्य अकादमी युवा पुरस्कार 2013, श्रीमती बसंती देवी धानुका युवा साहित्यकार पुरस्कार, ग्राम गदर पत्रकारिता पुरस्कार 2006, कुलिश स्मृतिः कलम से स्वराज पत्रकारिता पुरस्कार 2007, मायड़ रत्न अलंकरण सहित अनेक पुरस्कार-सम्मान से समादृत हो चुके हैं। कुमार अजय वर्तमान में सूचना एवं जनसंपर्क विभाग में उप निदेशक पद पर कार्यरत हैं। वे इन दिनों विभागीय पत्रिका सुजस का संपादन देख रहे हैं।

कार्यक्रम में सृजन सेवा संस्थान की ओर से शब्दशिल्पियों के सम्मान में वार्षिक समर्पित अर्पित किए गए। इस दौरान प्रो पुरुषोत्तम अठावाल, कैलाश मनहर, मनीषा कुलश्रेष्ठ, शायर जिया टोंकी, शांतिलाल जैन, डॉ मदन सैनी, सत्यनारायण 'सत्य', मोनिका गौड़, पूनम चौधरी आदि को भी सम्मानित किया गया। कार्यक्रम में नोजगे पब्लिक स्कूल के प्रबंध निदेशक डॉ पीएस सूदन, सृजन के अध्यक्ष डॉ अरुण शहैरिया 'ताइर', सचिव कृष्णकुमार आशु, डॉ. संदेश त्यागी, कृष्ण बृहस्पति, अमित तिवारी, मैत्रेय, आरव सहित साहित्य, कला, संस्कृति, शिक्षा, वकालत, व्यापारिक और विभिन्न सामाजिक संगठनों से जुड़े लोग मौजूद रहे।

श्रीगंगानगर में आयोजित कार्यक्रम में कवि-लेखक कुमार अजय को सम्मानित किया गया।

प्रदेश में 90 प्रतिशत सरकारी स्कूल भवनों को मरम्मत की जरूरत बताई

- शिक्षा विभाग की ओर से हाईकोर्ट में पेश रिपोर्ट ने सरकारी स्कूलों की स्थिति की गंभीर तस्वीर सामने रखी है
- शिक्षा विभाग ने सरकारी स्कूल भवनों का टेक्निकल ऑडिट सार्वजनिक निर्माण विभाग के इंजीनियरों से कराने के आदेश जारी किए
- अब सार्वजनिक निर्माण विभाग तय करेगा कि कौन सा स्कूल भवन सुरक्षित है और कौन सा पूरी तरह अनसेफ है
- जिन भवनों को खतरनाक घोषित किया जाएगा, उन्हें तुरंत खाली करवाकर बच्चों को दूसरे सुरक्षित स्कूलों या सामुदायिक भवनों में शिफ्ट किया जाएगा

बीकानेर, (निसं)। सरकारी स्कूलों की बदहाल और जर्जर होती इमारतों ने अब सरकार की चिंता बढ़ा दी है। प्रदेश में करीब 90 प्रतिशत सरकारी स्कूल भवनों को मरम्मत की जरूरत बताई गई है, जबकि हजारों स्कूलों को बच्चों के लिए असुरक्षित माना गया है। लगातार सामने आ रहे हादसों और बच्चों की सुरक्षा पर मंडरा रहे खतरे के बीच शिक्षा विभाग ने बड़ा फैसला लेते हुए सभी सरकारी स्कूल भवनों का टेक्निकल ऑडिट सार्वजनिक निर्माण विभाग के इंजीनियरों से कराने के आदेश जारी किए हैं। अब सानिवि तय करेगा कि कौन सा स्कूल भवन सुरक्षित है और कौन सा पूरी तरह अनसेफ है। जिन भवनों को खतरनाक घोषित किया जाएगा, उन्हें तुरंत खाली करवाकर वहां ताला लगाया जाएगा और बच्चों को दूसरे सुरक्षित स्कूलों या सामुदायिक भवनों में शिफ्ट किया जाएगा।

शिक्षा विभाग की ओर से हाईकोर्ट में पेश रिपोर्ट ने सरकारी स्कूलों की स्थिति की गंभीर तस्वीर सामने रखी है। रिपोर्ट के मुताबिक राजस्थान में कुल 45,365 सरकारी स्कूल हैं, जिनमें से 41,178 स्कूल ऐसे हैं, जिन्हें बड़े स्तर पर मरम्मत की आवश्यकता है। यानी प्रदेश के करीब 90 प्रतिशत सरकारी स्कूल किसी न किसी रूप में जर्जर स्थिति में हैं। शिक्षा विभाग ने सभी सरकारी स्कूलों के लिए टेक्निकल ऑडिट अनिवार्य कर दिया है। प्रदेश के सभी 45 हजार से ज्यादा स्कूल भवनों का भौतिक सत्यापन पीडब्ल्यूडी के एक्सईएन और एईएन स्तर के इंजीनियर करेंगे। सभी जिला शिक्षा अधिकारियों को निर्देश दिए गए हैं कि वे 15 दिन के भीतर समन्वय कर रिपोर्ट निदेशालय को भेजें। आदेश में स्पष्ट किया गया है कि जिन स्कूल भवनों को सानिवि 'अनसेफ' घोषित करेगा, उन्हें तुरंत खाली करवाकर वहां ताला लगाया जाएगा। ऐसे स्कूलों में पढ़ने वाले बच्चों को नजदीकी सुरक्षित सरकारी स्कूलों या सामुदायिक भवनों में शिफ्ट किया जाएगा। वहीं जो भवन मरम्मत योग्य नहीं होंगे, उन्हें ध्वस्त करने की कार्रवाई भी की जाएगी।

अब तक सरकारी स्कूलों की जर्जर स्थिति की रिपोर्ट संस्था प्रधान या स्कूल प्रशासन अपने स्तर पर तैयार करता था। कई मामलों में बजट की कमी या रिकॉर्ड बनाए रखने के लिए जर्जर कमरों में भी बच्चों की क्लास लगाई जाती थी। लेकिन झालावाड़ और अन्य जिलों में हुए हादसों के बाद सरकार कोई जोखिम नहीं लेना चाहती।

माध्यमिक शिक्षा निदेशक ने आदेश में कहा है कि बच्चों की सुरक्षा सर्वोच्च प्राथमिकता है। अब सभी सरकारी स्कूलों के लिए सानिवि इंजीनियरों से 'स्ट्रक्चरल स्टेबिलिटी सर्टिफिकेट' लेना अनिवार्य होगा। यदि इसके बाद भी कोई हादसा होता है तो संबंधित तकनीकी अधिकारी की जिम्मेदारी तय की जाएगी।

प्रदेश के निजी स्कूलों में जर्जर भवनों की शिकायतें अपेक्षाकृत कम आती हैं। इसका कारण यह है कि निजी स्कूलों को हर तीन साल में भवन सुरक्षा प्रमाण पत्र लेना अनिवार्य होता है। इसके लिए शुल्क भी जमा करना पड़ता है। इसी प्रमाण पत्र के आधार पर उन्हें मान्यता मिलती है, जबकि सरकारी स्कूलों में अब तक यह प्रक्रिया अनिवार्य नहीं थी। शिक्षा विभाग इस सर्वे रिपोर्ट के आधार पर बजट 2026-27 में नए सिरे से फंड आवंटित करेगा। सरकार का लक्ष्य है कि अगले छह महीनों में प्रदेश के किसी भी स्कूल में बच्चे जर्जर छत के नीचे बैठकर पढ़ाई न करें।

गौरतलब है कि 25 जुलाई को झालावाड़ के मनोहरथाना ब्लॉक स्थित पिपलोदी सरकारी स्कूल की छत गिरने से 7 बच्चों की मौत हो गई थी और 21 बच्चे घायल हुए थे। वहीं 13 जनवरी को बूंदी में सरकारी स्कूल के बरामदे की करीब 50 फीट लंबी छत अचानक गिर गई थी। हालांकि उस समय वहां बच्चे मौजूद नहीं थे। इन घटनाओं के बाद से शिक्षा विभाग लगातार जर्जर स्कूल भवनों को लेकर सख्त कदम उठा रहा है।

सड़क हादसे में घायल की जयपुर में मौत

छीपाबड़ौद, (निसं)। क्षेत्र के टांचा गांव निवासी एक युवक की सड़क दुर्घटना के एक महीने बाद इलाज के दौरान जयपुर के अस्पताल में मौत हो गई। एक माह पूर्व गुरुवार रात को अटरू कस्बे के पावर हाउस के पास एक भीषण सड़क हादसा हुआ था।

इस हादसे में एक मोटरसाइकिल और तेज रफ्तार चार पहिया वाहन के बीच आमने-सामने की जोरदार भिड़ंत हुई थी। टक्कर इतनी जबरदस्त थी कि मोटरसाइकिल सवार दोनों युवक सड़क से काफी दूर जा गिरे थे। हादसे में टांचा (नोहरा वाले) निवासी धनराज यादव पुत्र किशनलाल अहीर गंभीर रूप से घायल हो गए थे। उन्हें प्राथमिक उपचार के बाद बारां और फिर वहां से गंभीर हालत के चलते जयपुर रेफर किया गया था। परिजनों के अनुसार, पिछले एक महीने से जयपुर में उनका उपचार चल रहा था, लेकिन तमाम कोशिशों के बावजूद उन्हें बचाया नहीं जा सका और इलाज के दौरान उनकी मौत हो गई। हादसे के समय उनके साथ मौजूद दूसरे युवक देवेन्द्र को मामूली चोटें आई थीं। धनराज की मौत की खबर मिलते ही टांचा गांव में शोक की लहर दौड़ गई है।